ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस 2025

प्रिलिम्स के लिये:

खाद्य संकटों के विरुद्ध वैश्विक नेटवर्क (GNAFC), खाद्य सुरक्षा सूचना नेटवर्क (FSIN), खाद्य संकटों पर वैश्विक रिपोर्ट (GRFC), कुपोषण, गंभीर खाद्य असुरक्षा, अल-नीनो, US एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID)।

मेन्स के लिये:

पूरे विश्व में गंभीर खाद्य असुरक्षा और पोषण संकट (कुपोषण) की गंभीरता की स्थिति, गंभीर खाद्य असुरक्षा एवं पोषण संकट (कुपोषण) से निपटने के कारण और उपाय।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस (GRFC) 2025 के अनुसार **53 देशों में 295 मिलियन से अधिक लोगों** को गंभीर भुखमरी से प्रभावित हुए हैं, जो **वर्ष 2023 की तुलना में 13.7 मिलियन अधिक हैं।**

- रिपोर्ट में जारी **संघर्षों, गंभीर जलवायु घटनाओं, आर्थिक व्यवधानों और जबरन विस्थापन** के कारण बढ़ते **वैश्विक खाद्य असुरक्षा संकट** पर प्रकाश डाला गया है।

ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस (GRFC):

- ग्लोबल रिपोर्ट ऑन फूड क्राइसिस (GRFC), 2025 को खाद्य सुरक्षा सूचना नेटवर्क (FSIN) के सहयोग से खाद्य संकटों के विरुद्ध वैश्विक नेटवर्क (GNAFC) द्वारा प्रकाशित किया गया है।
- GRFC एक वार्षिक प्रकाशन है जो पूरे विश्व में गंभीर खाद्य असुरक्षा और पोषण संकट (कुपोषण) का व्यापक विश्लेषण प्रदान करता है।
  - **गंभीर खाद्य असुरक्षा** तब होती है जब **भोजन की उपलब्धता, पहुँच, उपयोग या स्थिरता में व्यवधान से जीवन या आजीविका** को खतरा होता है।
  - पोषण संकट तब उत्पन्न होता है जब **भोजन की कमी, बीमारी, संघर्ष और खराब स्वास्थ्य देखभाल** जैसे कारकों के कारण 6-59 महीने की आयु के बच्चों में गंभीर कुपोषण की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

GRFC 2025 रिपोर्ट के अनुसार खाद्य असुरक्षा के प्रमुख कारण क्या हैं?

- **संघर्ष और विस्थापन:** संघर्ष के कारण 20 देशों में खाद्य असुरक्षा बढ़ रही है, जिससे 139.8 मिलियन लोग प्रभावित हो रहे हैं और विशेष रूप से नाइजीरिया, सूडान और म्याँमार में **सर्वाधिक आपदा (एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण (IPC)-5 अर्थात् भुखमरी, मृत्यु या गंभीर कुपोषण)** के मामले सामने आ रहे हैं।
  - इसके अतिरिक्त, शीर्ष 10 प्रभावित देशों में वैश्विक गंभीर कुपोषण के मामले वर्ष 2023 में 26.9 मिलियन से बढ़कर वर्ष 2024 में 30.4 मिलियन हो गए थे, जिसमें सबसे गंभीर संकट सूडान और गाज़ा में देखने को मिला।

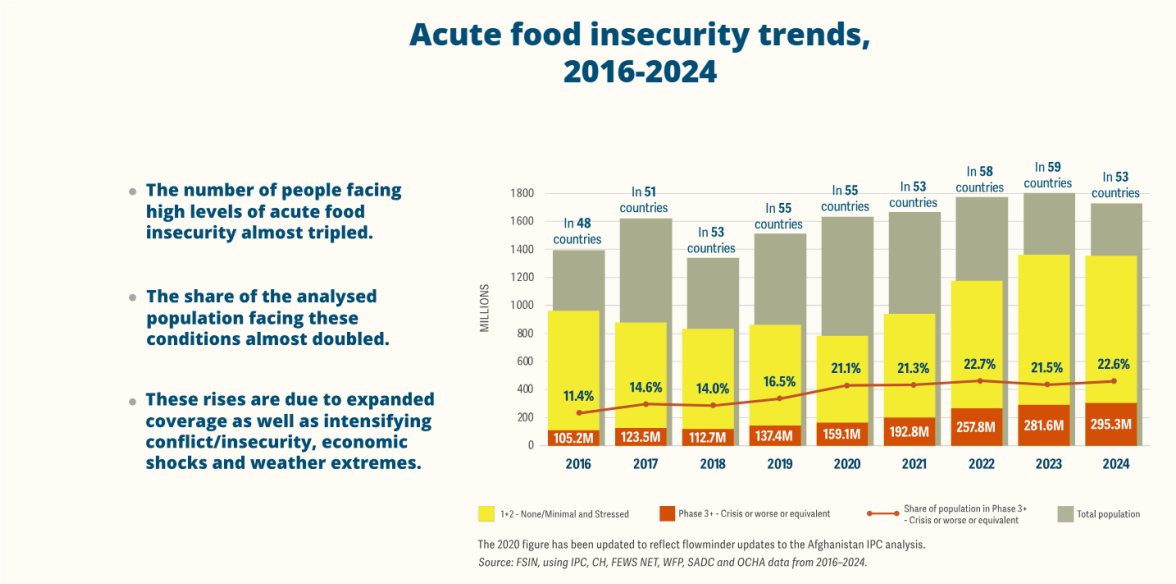

- **चरम मौसमी घटनाएँ और विस्थापन:** बढ़ते तापमान, बाढ़ और [अल-नीनो](#) के कारण फसलें नष्ट हो गईं, खाद्य आपूर्ति को नुकसान पहुँचा और कुपोषण का खतरा बढ़ गया।
  - इसने **18 देशों में खाद्य असुरक्षा को बढ़ावा दिया है,** जिससे **96.1 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं,** जबकि वर्ष **2024** में **95.8 मिलियन विस्थापित व्यक्ति** - जिनमें से **75% आंतरिक रूप से विस्थापित - 53 खाद्य संकट वाले देशों** में बसे हुए थे।
  - इसने **18 देशों में खाद्य असुरक्षा को बढ़ावा दिया है,** जिससे **96.1 मिलियन लोग प्रभावित हुए हैं,** जबकि **वर्ष 2024 में 95.8 मिलियन विस्थापित व्यक्ति** (जिनमें से 75% आंतरिक रूप से विस्थापित हैं) **53 खाद्य संकटग्रस्त देशों में रह रहे थे।**

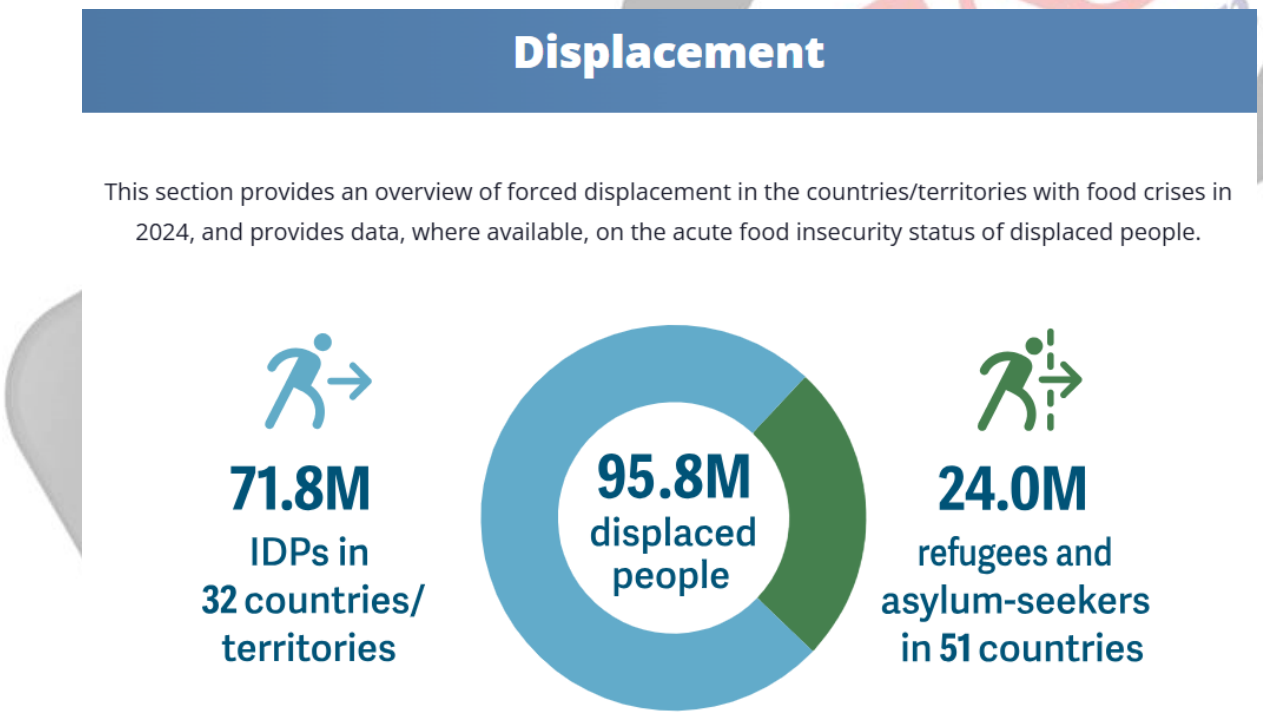

- **आर्थिक संघर्ष: यह 15 देशों (जैसे, दक्षिण सूडान)** में खाद्य असुरक्षा को बढ़ाता है, जिससे **आय, रोज़गार और खाद्य आपूर्ति शृंखला** बाधित होकर 59.4 मिलियन लोग प्रभावित होते हैं, जिससे **खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ जाती हैं, क्रय शक्ति कम हो जाती है तथा पौष्टिक भोजन तक पहुँच कम हो जाती है।**
- **वित्त पोषण में कटौती**: वर्ष 2025 में [US एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (USAID)](#) के वित्त पोषण की अचानक समाप्ति से मानवीय प्रयासों पर असर पड़ेगा, जिससे अफगानिस्तान, DRC, इथियोपिया, हैती आदि में 14 मिलियन बच्चों के लिये गंभीर कुपोषण और मृत्यु का खतरा उत्पन्न हो जाएगा।
- **कमज़ोर शासन व्यवस्था:** खाद्य असुरक्षा के कारक पहले से मौजूद कमज़ोरियों जैसे कि **दुर्बल स्वास्थ्य प्रणाली, अस्थायी अर्थव्यवस्था और राजनीतिक अस्थिरता** को और भी गंभीर बना देते हैं, जबकि अपर्याप्त डेटा प्रभावी प्रतिक्रिया तथा निगरानी को बाधित करता है।

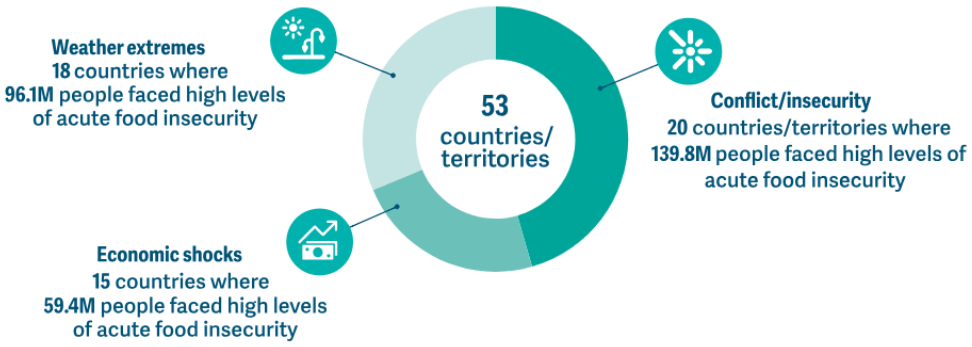

वैश्वकि वकिास पर खाद्य संकट के सामाजकि-आर्थकि प्रभाव क्या हैं?

- **गरीबी में वृद्धि:** खाद्य संकट **स्थानीय कृषि-आधारित अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करते हैं,** विशेष रूप से वहाँ जहाँ कृषि प्रमुख भूमिका निभाती है। बढ़ती खाद्य कीमतें महंगाई को बढ़ावा देती हैं, जिससे **निम्न आय वाले लोगों की क्रय शक्ति कम हो जाती है।**
- **मानव पूंजी की हानि:** खाद्य संकट विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के **पोषण संबंधी परिणामों को गंभीर रूप से प्रभावित करता है,** [वैश्विक भुखमरी सूचकांक 2023] के अनुसार, वैश्विक स्तर पर **735 मिलियन से अधिक लोग दीर्घकालिक रूप से कुपोषित हैं।**
  - **5 वर्ष से कम आयु के बच्चों** की लगभग 45% मृत्यु का कारण पोषण संबंधी कारक होते हैं।
- **सामाजिक अस्थिरता:** खाद्यान्न की कमी से प्रायः **नागरिक अशांति** फैलती है और मज़बूरी में पलायन होता है। **संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (UNHCR))** की रिपोर्ट के अनुसार **23.5 मिलियन लोग जलवायु परिवर्तन के कारण विस्थापित हुए हैं,** जिनमें से अनेक लोग फसल खराब होने और खाद्य असुरक्षा के कारण पलायन कर रहे हैं।
- **लैंगिक असमानता:** खाद्य संकट **असमान रूप से महिलाओं को प्रभावित करता है,** जो प्रायः घरेलू पोषण के लिये ज़िम्मेदार होती हैं, लेकिन **भूमि, ऋण और सहायता तक उनकी पहुँच कम होती है।**
  - **संयुक्त राष्ट्र महिला (UN Women)** के अनुसार, यह अनुमान है कि **दीर्घकालिक भुखमरी से पीड़ित लोगों में 60% महिलाएँ और लड़कियाँ हैं।**
- **शैक्षिक प्रणालियों की हानि:** खाद्य संकट से प्रभावित बच्चों को प्रायः भुखमरी या **घरेलू आय का समर्थन करने** की आवश्यकता के कारण **स्कूल छोड़ने की उच्च दर** का सामना करना पड़ता है।
  - जबकि **वर्ष 2015-2021 तक** स्कूल न जाने वाले बच्चों की वैश्विक संख्या में 9 मिलियन की कमी आई है, लेकिन तब से पूरे विश्व में **खाद्य आपूर्ति में ठहराव** के कारण इसमें **6 मिलियन की वृद्धि हुई है।**

खाद्य असुरक्षा और पोषण संकट का समाधान किस प्रकार किया जा सकता है?

- **पोषण सूचना प्रणाली:** उन्नत [पूर्व चेतावनी प्रणाली] से कमज़ोर समूहों की आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने के साथ उन्हें गंभीर और व्यापक होने से पहले ही हल किया जा सकता है।
  - उदाहरण के लिये, उन्नत पूर्व चेतावनी प्रणालियों से वर्ष 2022-2023 में सोमालिया में [अकाल] **(IPC चरण 5)** को रोकने में मदद मिली।
- **एकीकृत खाद्य सुरक्षा: कमज़ोर समूहों** की पहचान करने, जोखिमों को समझने तथा इस संदर्भ में सहायता प्रदान करने के क्रम में संयुक्त **कृषि तथा आजीविका डेटा** का उपयोग करके देश एवं क्षेत्रीय स्तर पर **व्यापक खाद्य सुरक्षा और पोषण प्रणाली** विकसित करनी चाहिये।
  - **आपातकालीन कृषि सहायता** में वृद्धि की जानी चाहिये, जिसके लिये मानवीय खाद्य वित्तपोषण का केवल **3%** आवंटित हो पाता है (वर्ष 2016-2024)।
- **जलवायु अनुकूलन: कृषि उत्पादकता** में सुधार तथा **बेहतर आपूर्ति शृंखलाओं के विकास** के साथ [जलवायु-स्मार्ट कृषि] को अपनाना चाहिये।
  - **खाद्य सुरक्षा को शांति स्थापना** के कारक के रूप में देखते हुए संघर्ष वाले क्षेत्रों में किसानों तथा बाज़ारों की रक्षा करने के साथ विस्थापन से उत्पन्न भुखमरी को कम करने के क्रम में ग्रामीण अर्थव्यवस्थाओं का पुनर्निर्माण करना चाहिये।
- **कृषि खाद्य प्रणालियों का रूपांतरण:** कृषि में निवेश से **खाद्य उत्पादन तथा आपूर्ति शृंखला** में सुधार हो सकता है, जो दीर्घकालिक खाद्य संकट वाले तथा गंभीर रूप से खाद्य असुरक्षित देशों (जहाँ अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर हैं) के लिये निर्णायक है।
  - चिकित्सीय आहार का विस्तार करने एवं **प्रमुख खाद्य पदार्थों** को उन्नत बनाने के साथ आहार विविधता को बढ़ावा देकर पोषण में सुधार करना चाहिये।

निष्कर्ष

GRFC 2024 रिपोर्ट में वैश्विक स्तर पर भूख संकट की स्थिति के और भी गंभीर होने पर प्रकाश डाला गया है, जो **क्षेत्रीय संघर्ष, जलवायु असंतुलन एवं आर्थिक अस्थिरता** से प्रेरित है। **295 मिलियन लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा** की स्थिति में हैं और इस क्रम में फंडिंग में कटौती होने से इनकी पर्याप्त सहायता नहीं हो पा रही है। इसलिये इस संदर्भ में **जलवायु-अनुकूल कृषि को बढ़ावा देने, पोषण कार्यक्रमों को उन्नत करने तथा मानवीय सहायता को बढ़ावा देने** के रूप में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है ताकि भूख एवं कुपोषण के दुष्चक्र को तोड़ा जा सके।

दृष्टि मुख्य परीक्षा प्रश्न:

प्रश्न: वैश्विक स्तर पर विद्यमान खाद्य असुरक्षा के प्रमुख कारण क्या हैं। क्षेत्रीय संघर्ष और जलवायु परिवर्तन से इस संकट को किस प्रकार बढ़ावा मिलता है? उदाहरणों सहित चर्चा कीजिये।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न (PYQ)

??????????

प्रश्न. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013 के तहत किये गए प्रावधानों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2018)

1. केवल 'गरीबी रेखा से नीचे (BPL) की श्रेणी में आने वाले परिवार ही सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने के पात्र हैं।
2. परिवार में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र की सबसे अधिक उम्र वाली महिला ही राशन कार्ड निर्गत किये जाने के प्रयोजन से परिवार की मुखिया होगी।
3. गर्भवती महिलाएँ एवं दुग्ध पिलाने वाली माताएँ गर्भावस्था के दौरान और उसके छ: महीने बाद तक प्रतिदिन 1600 कैलोरी वाला राशन घर ले जाने की हकदार हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) 1 और 2
(b) केवल 2
(c) 1 और 3
(d) केवल 3

उत्तर: (b)

प्रश्न. FAO पारंपरिक कृषि प्रणालियों को 'सार्वभौमिक रूप से महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली (Globally Important Agricultural Heritage Systems- GIAHS)' की हैसियत प्रदान करता है। इस पहल का संपूर्ण लक्ष्य क्या है? (2016)

1- अभिनिर्धारित GIAHS के स्थानीय समुदायों को आधुनिक प्रौद्योगिकी, आधुनिक कृषि प्रणाली का प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता प्रदान करना जिससे उनकी कृषि उत्पादकता अत्यधिक बढ़ जाए।
2- पारितंत्र-अनुकूली परंपरागत कृषि पद्धतियाँ और उनसे संबंधित परिदृश्य (लैंडस्केप), कृषि जैवविविधता तथा स्थानीय समुदायों के ज्ञानतंत्र का अभिनिर्धारण एवं संरक्षण करना।
3- इस प्रकार अभिनिर्धारित GIAHS के सभी भिन्न-भिन्न कृषि उत्पादों को भौगोलिक सूचक (जिओग्राफिकल इंडिकेशन) की हैसियत प्रदान करना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

?????

प्रश्न. एकीकृत कृषि प्रणाली (आइ० एफ० एस०) किस सीमा तक कृषि उत्पादन को संधारित करने में सहायक है? (2019)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/global-report-on-food-crises-2025